राज्यपाल महोदय श्री राम नरेश यादव द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्था इंदौर के प्रथम दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में उद्बोधन/आभार प्रदर्शन का प्रारूप

स्थान :-इंदौर दिनांक :- 8 जून, 2013 समय :- 11:30 बजे

e[; vfrfFk Hkkjr d jk"Vifr ekuuh;

Jh i.ko e[kth th]

Jh lj'k ipkjh io dUnh; e=h

Jh vt; fijkey p;j eu ckM vkQ xoul

Mk-,u-d- tu Mhu vdkMfed vQ;l

ik-inhi ekFkj lpkyd vkb-vkb- Vh

vkef=r fof'k"V vfrfFkx.k rFkk

lekjkg e mifLFkr vfrfFkx.k] f'k{kdx.k

Nk= & Nk=kvk

i=dkj cU/k ,o

vkef=r ic) ukxfjdx.k A

आज के ये क्षण प्रदेश के लिए गौरव के अमूल्य क्षण हैं। प्रदेश के पहले भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर का पहला दीक्षांत समारोह माननीय राष्ट्रपति जी श्री प्रणव मुखर्जी की गरिमामयी उपस्थिति में आज यहां सम्पन्न हुआ है। सौभाग्य के इस अवसर पर सभी प्रदेश-जन अभिभूत हैं।

मैं माननीय राष्ट्रपति जी का हृदय से कृतज्ञ हूँ। उन्होंने अपनी उपस्थिति से छात्रों का उत्साहवर्धन किया है। मैं पूरे दिल से उनका आभारी हूँ।

आज यहां विशिष्ट उपलब्धियों के लिए पदकों से अलंकृत और उपाधि ग्रहण करने वाले छात्रों से मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि प्रौद्योगिकी और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश को विश्व परिदृश्य पर उच्च स्तर पर लाकर प्रतिष्ठित करने का लक्ष्य सदैव अपने सामने रखें। इसके लिए विश्वस्तरीय शोध एवं अन्वेषण के नये प्रकल्पों को बढ़ावा देना होगा, तभी हम विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में देश को आत्म निर्भर बनाने में अपनी भागीदारी निभा पायेंगें।

युवा प्रतिभाओं से मेरी अपेक्षा है कि अपने आस-पास की समस्याओं के एवं ज्वलंत मुद्दों के प्रति जागरूक रहें। शोध के लिए स्थानीय मुद्दों के चयन को प्राथमिकता दें क्यों कि अब समाज के हितों से जुड़े वैज्ञानिक मुद्दों पर शोध करने की आवश्यकता है।

हमारे युवाओं ने अपने बौद्धिक कौशल और कार्य निष्ठा से सारी दुनिया में अपना और अपने देश का नाम रोशन किया है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि आज यहां अपने अध्ययन का अध्याय पूरा कर चुके विद्यार्थी इसी कड़ी को और आगे बढ़ायेगें तथा भारत वर्ष में बौद्धिक एवं तकनीकी ज्ञान की प्राचीन धरोहर को उजागर करने के लिए पूरी तीव्रता से प्रयास करेंगें।

एक बार पुन: माननीय राष्ट्रपति जी का कृतज्ञ हूँ,आभारी हूँ जिनकी स्नेहिल उपस्थिति से हम सभी प्रफुल्लित और कृतार्थ हैं।

जयहिन्द।